समाचार
WANI NEWS
ख़बर जो करें असर !

शाबाश बेटी ! भावना चौधरी बनीं बीएसएफ की पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर, रचा इतिहास

Published on 13 Oct 2025 | By Samachar Wani Correspondent

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 50 साल के गौरवशाली इतिहास में एक नई मिसाल कायम हुई है। इंस्पेक्टर भावना चौधरी ने बीएसएफ एयरविंग की पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर बनकर इतिहास रचा है। इस उपलब्धि ने न केवल बीएसएफ में महिला योगदान को नया आयाम दिया है, बल्कि देश की युवा लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत भी बना है।

भावना चौधरी ने बीएसएफ की एयरविंग में दो महीने की कड़ी ट्रेनिंग पूरी की। इस दौरान उन्होंने कुल 130 घंटे उड़ान भरकर विभिन्न ऑपरेशन्स में अपनी क्षमता और साहस का परिचय दिया। उनकी उड़ानें केवल प्रशिक्षण के लिए नहीं थीं, बल्कि बाढ़ राहत कार्यों में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कठिन मौसम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उड़ान भरकर भावना ने यह साबित किया कि साहस और मेहनत के साथ कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने भावना के इस ऐतिहासिक सफर की सराहना की है। उनका कहना है कि भावना ने न केवल तकनीकी दक्षता दिखाई, बल्कि नेतृत्व और टीम भावना में भी उदाहरण पेश किया। उनके योगदान ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को सुचारू रूप से चलाने में मदद की।

भावना चौधरी का यह रिकॉर्ड देश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बीएसएफ जैसी सुरक्षा और एयरविंग जैसी तकनीकी क्षेत्र में महिला का पदार्पण यह संदेश देता है कि कोई भी पेशा या जिम्मेदारी केवल पुरुषों के लिए सीमित नहीं है। उनका यह अनुभव और सफलता देश की युवा लड़कियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि भावना की यह उपलब्धि बीएसएफ और भारतीय सुरक्षा बलों के भीतर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने में मदद करेगी। यह कदम न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में अहम है, बल्कि पूरे देश में तकनीकी और प्रशासनिक क्षेत्रों में महिलाओं की संभावनाओं को उजागर करता है।

भावना ने इस उपलब्धि के बाद कहा कि यह सिर्फ उनकी मेहनत का परिणाम नहीं है, बल्कि बीएसएफ के सभी प्रशिक्षकों, सहकर्मियों और परिवार के समर्थन के बिना यह संभव नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि वे भविष्य में भी देश सेवा और बीएसएफ की एयरविंग में योगदान देने के लिए तत्पर हैं।

बीएसएफ की यह पहल और भावना का साहस देश में युवाओं को प्रेरित करेगा। यह साबित करता है कि अगर इच्छाशक्ति और मेहनत हो तो कठिन से कठिन चुनौतियों का सामना भी सफलतापूर्वक किया जा सकता है। भावना चौधरी ने यह संदेश दिया कि महिला सुरक्षा बलों में तकनीकी और ऑपरेशनल भूमिका निभाने में पुरुषों के समान सक्षम हैं।

सैन्य और सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, भावना की उपलब्धि बीएसएफ और अन्य सुरक्षा बलों में नई भर्ती और प्रशिक्षण के लिए भी

प्रेरणा बनेगी। यह उदाहरण यह दिखाता है कि महिलाओं को चुनौतीपूर्ण तकनीकी और ऑपरेशनल कार्यों में शामिल करके उनके कौशल और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाया जा सकता है।

भावना चौधरी का यह सफर केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि भारतीय सुरक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी को नए आयाम देने वाला एक ऐतिहासिक कदम भी है। उनके साहस और दक्षता ने बीएसएफ एयरविंग के भीतर नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया है।

DISCLAIMER: THE VIEWS/CONTENTS EXPRESSED/PRESENTED HEREIN, WITHIN THIS ADVERTORIAL AND PROMOTIONAL FEATURE ARE THE SOLE AND EXCLUSIVE RESPONSIBILITY OF INDIVIDUAL CLIENTS/EXPERT/THEIR AUTHORISED REPRESENTATIVE/PUBLISHER, TO WHICH EFFECT, PUBLICATION HOUSE/ITS REPRESENTATIVES/AFFILIATES ARE NOT RESPONSIBLE/LIABLE WHATSOEVER.